School Chalo Campaign

स्कूल चलो अभियान

प्राथमिक शिक्षा हर बच्चे का अधिकार

SCHOOL CHALO ABHIYAN

To achieve the goal of universalising primary education in the State, efforts were made to enroll all children in the age group 6-14 years, during the academic session 2000-2001, by organising a statewide School Chalo Abhiyan (a campaign to ensure the entry of every eligible child into formal schools), during July 1 to 15, 2000. On July 3, 2000 the campaign was formally flagged off by the Hon'ble Chief Minister at a well attended state level inaugural function held at the K. D. Singh Babu Stadium. On the following

Books distribution by CM, Uttar Pradesh

स्कूल चलो अभियान

प्राथमिक शिक्षा हर बच्चे का अधिकार

कूल चलो' अभियान को अटल ने सराहा

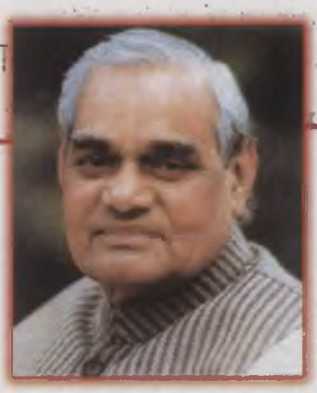

प्रधान मंत्री
Prime Minister

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश में निरक्षरता समाप्त करने के उद्देश्य से जुलाई, 2000 के प्रथम पखवाड़े से "स्कूल चलो" अभियान शुरू किया जा रहा है।

निरक्षरता किसी भी देश और समाज के लिए सबसे बड़ा अभिशाप है। यह विरोधाभास ही है कि अनेक क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियों के बावजूद हम इस क्षेत्र में काफी पीछे हैं। हालांकि देश में सभी को प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए सघन प्रयास किए जा रहे हैं फिर भी इस दिशा में अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है। यह खुशी की बात है कि उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश में निरक्षरता समाप्त करने के लिए अभियान चला रही है जिसके अन्तर्गत प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा से वंचित लाखों बालक-बालिकाओं को स्कूल लाकर उनका नामांकन किया जाएगा। मुझे आशा है कि इससे सभी को प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध कराने के सरकार के लक्ष्य को प्राप्त करने में काफी मदद मिलेगी।

मैं इस अभियान की सफलता की कामना करता हूँ और इससे जुड़े हुए लोगों को अपनी शुभकामनाएं देता हूँ।

नई दिल्ली
7 जुलाई, 2000

अटल बिहारी वाजपेयी
(अटल बिहारी वाजपेयी)

Schooling from today

स्कूल चलो' अभियान के प्रचार को रैली

Padyatra for Primary education

day, huge rallies and meetings were organised at all the district headquarters to familiarise the people with the proposed campaign. At these gatherings, Hon'ble State Ministers, Members of Parliament, Members of Legislative Council/Assembly, Divisional Commissioners and District Magistrates shared with the people, the conceptual framework of the proposed campaign, it's need and the strategy designed for conducting it.

Flagging off the campaign

This large scale effort has made it possible to increase the enrolment of children in the 6-14 years age group by a staggering 54,11,000, as compared to the enrolment figures of the previous academic year. In 1999-2000, the total enrolment of children in the age group 6-14 years had been 2,94,06,000 while the enrolment figure in the current academic session has already reached 3,48,17,000 on July 31, 2000. The number of children enrolled is likely to further improve as the school admissions remain open till September 30, 2000.

Let the spirit of sharing be supreme

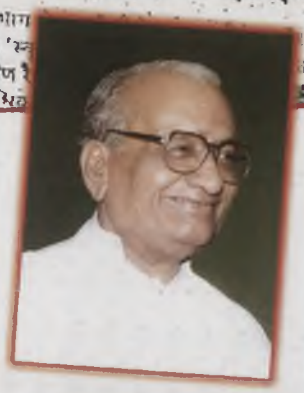

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

स्कूल चलो अभियान

प्राथमिक शिक्षा हर बच्चे का अधिकार

प्रिय महोदय,

ग्राम प्रधान के रूप में आपके निर्वाचन पर मैं आपको हार्दिक बधाई देता हूँ। मुझे पूरा विश्वास है कि आप अपने कार्यकाल में गाँव की दशा सुधारने के महत्वपूर्ण कार्य में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करेंगे। इस सम्बन्ध में मैं अलग से आपको एक पत्र लिख रहा हूँ।

इस समय मैं एक विशेष महत्वपूर्ण बिन्दु के सन्दर्भ में आपको यह पत्र लिख रहा हूँ। मैं आपका ध्यान गाँव की शिक्षा-व्यवस्था की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। सरकार का यह संकल्प एवं लक्ष्य है कि जल्द से जल्द प्राथमिक/उच्च प्राथमिक शिक्षा का सार्वभौमीकरण हो सके और इस महत्वाकांक्षी प्रयोजन में आपका अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। कदाचित इसके लिए यह आवश्यक है कि कक्षा - एक से कक्षा - आठ तक की शिक्षा के लिए आई बच्चों का विद्यालयों में अनिवार्य रूप से दाखिला कराया जाए और उनके शिक्षण की व्यवस्था सुचारु रूप से चलाई जाए।

उपरोक्त सन्दर्भ में शासन द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि जुलाई, 2000 में विद्यालय खुलते ही 1 जुलाई से 15 जुलाई, 2000 तक प्रदेश व्यापी ''स्कूल चलो'' अभियान चलाया जाए। यह अभियान दो चरणों में निम्नलिखित व्यवस्था के अनुसार संचालित होगा :-

क.	01.07.2000 से 09.07.2000	व्यापक जन-सम्पर्क एवं अभियान का प्रचार-प्रसार।
ख.	10.07.2000 से 15.07.2000	प्रदेश के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों का नामांकन सुनिश्चित कराया जाना।

उपरोक्त अभियान के माध्यम से आपके द्वारा यह सुनिश्चित किया जाना है कि आपके गाँव में कोई भी बच्चा प्राथमिक या उच्च प्राथमिक स्तर पर नामांकित हुये बगैर न रह जाए और उसके बाद यह भी सुनिश्चित करना होगा कि बच्चे विद्यालयों में नियमित रूप से जाएं और उनके पठन-पाठन की व्यवस्था सही ढंग से चले। आप सहमत होंगे कि यदि बच्चे शिक्षित होंगे तो समाज का बहुमुखी विकास होगा और हमारा प्रदेश तथा देश विकास के चरमोत्कर्ष को प्राप्त कर सकेगा।

स्कूल चलो अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाये जाने हेतु यह आवश्यक है कि सर्वप्रथम गाँव शिक्षा-समिति का गठन करके इसकी बैठक प्रथम चरण में बुला ली जाए तथा गाँव शिक्षा समिति के सदस्यों, ग्राम पंचायत के सदस्यों एवं स्कूल अध्यापकों को साथ में लेकर अपने गाँव में व्यापक जन-सम्पर्क व अभियान का प्रचार-प्रसार कराया जाए जिससे गाँव में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को यह आभास हो जाए कि उसे इस शिक्षा सत्र में अपने बच्चे को हर हाल में स्कूल भेजना है। इसके लिए प्रभातफेरी, नुक्कड़ नाटक, मानव शृंखला आदि के माध्यम से जन-जागरण की कार्रवाई करायी जाए। स्कूल चलो अभियान के द्वितीय चरण में ऐसे सभी बच्चों का स्कूल में नामांकन सुनिश्चित कराया जाए जो स्कूल नहीं जा रहे हों अथवा जिन्होंने बीच में पढ़ाई छोड़ दी हो। आप अवगत ही हैं कि समाज के पिछड़े वर्गों एवं अनुसूचित जाति-जनजाति के बच्चों को छात्रवृत्ति की भी व्यवस्था शासन द्वारा की गयी है। अतः ऐसे अपवंचित वर्गों को यह विश्वास दिलाया जाए कि शिक्षा के माध्यम से उनके बच्चे विकास के मार्ग की ओर अग्रसर हो सकेंगे तथा शासन स्तर से समयानुसार उन्हें छात्रवृत्ति का भुगतान भी किया जाएगा। इस अभियान में यह भी ध्यान रखा जाना आवश्यक होगा कि गाँव की बालिकाओं के नामांकन में भी किसी भी प्रकार की शिथिलता न होने पाये।

उपर्युक्त बातों के अतिरिक्त मैं यह भी कहना चाहूंगा कि आप और आपके पंचायत सदस्य जब भी गाँव के किसी व्यक्ति के सम्पर्क में आते हैं तो उनसे उनके बच्चों की शिक्षा के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी करें और उन्हें इस बात के लिए प्रेरित करें कि उनके बच्चे नियमित रूप से विद्यालयों में उपस्थित हों। इस विषय में यह भी उल्लेखनीय है कि अभियान में सर्वोत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्राम पंचायतों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

मुझे विश्वास है कि स्कूल चलो अभियान के माध्यम से अपने गाँव की जनता को निरक्षरता के अन्धकार से बाहर निकालने और गाँव को विकास के मार्ग पर लाने के इस महत्वपूर्ण प्रयास में आपका सक्रिय योगदान अवश्य प्राप्त होगा।

सस्नेह,

भवदीय,

(राम प्रकाश)

समस्त ग्राम प्रधान, उत्तर प्रदेश।

Village Rally for Enrollment

It is mentionworthy that while there was a 4.3% increase in the enrolment figures in 1999-2000 over the enrolment achieved in 1998-99, an increase of 18.4% has been recorded in the current year's enrolment levels compared to the enrolment achieved in the previous year. The 23% increase in girls' enrolment, can be said to be the most significant outcome of the campaign.

Joining people together for education

The first step in the conduct of the campaign was to ensure systematic widespread publicity. An all out effort was made to create public awareness through the print and electronic media, AIR, specially printed pamphlets, wall writings/hoardings and public meetings. To particularly ensure heightened awareness in the far flung remote habitations and among the most marginalised sections of the population, prabhat pheris, street plays, Kala Jatthas, folk songs, slogans and padyatras, were conducted extensively. Care was taken to reach the deprived groups such as girls, SCs, STs, minorities

Following the pied piper of education

स्कूल चलो अभियान

प्राथमिक शिक्षा हर बच्चे का अधिकार

कूल चलो' अभियान हर हाल में सफल किया जाएगा-मुख्यमं

श्री त्यागी ने कहा कि निरक्षरता का कलंक केवल प्रदेश सरकार के सहारे ही मिटाया नहीं जा सकता है, बल्कि

ारी मंत्री ने स्कूल चलो अभियान को

बच्चों कक्षा तक के बच्चों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें

स्लिकें स्कूलों के माध्यम से दी जाएंगी, 60 जिलों में कुल 81 लाख बच्चे लाभान्वि

ग्रामों में बालेश्वर त्यागी ने पदयात्रा की, लासिल

ने हर नौनिहाल

तहत राज्यमं

पदयात्रा की

धान की मानव श्रृंखला में नेहरू युवा केन्द्र भी

मिक शिक्षा की जन-जन 'स्कूल चलो' अभियान

र्ग लगाकर मानव

शिक्षा प्रत्येक बालक का जन्मसिद्ध अधिकार होना चाहिए : मिश्र

निरक्षरता मिटाने के उद्देश्य से बेसिक शिक्षा

राज्यमंत्री बालेश्वर त्यागी द्वारा पद यात्रा

and those who have remained socially and economically backward. The main message taken to the masses was that primary education is every child's basic right and it is the responsibility of the family, society and the State to see to it that every child attends school.

Special messages from the Hon'ble Prime Minister and Chief Minister, added a boost to the on going preparatory activities. The Hon'ble Chief Minister's letters to each Pradhan of the 58,620 newly elected gram panchayats, about the proposed School Chalo Abhiyan, spelling out their role in this mammoth drive, was indeed a great motivation for them to get fully involved with the effort at enrolling children in schools. The Hon'ble State Minister for Basic Education visited the most backward blocks of the seven backward districts to conduct padyatras and establish community contact and motivate parents to enroll their children.

Education became a talking point

Making it more visible

In the first phase of the School Chalo Abhiyan, the Balganana (Child Census) was updated between July 1-9, 2000, with the objective of identifying the out of school children prior to the campaign. It is heartening that within this

'We are together for a noble cause'

short time span, it has been possible to complete this exercise in 1,12,501 villages and 346 urban areas across 83 districts.

Though conceptualised at the State Government level, very soon this campaign transformed into a people's

Door to door Contact

movement, at the district, block, nyaya panchayat and village levels, with wholehearted support forthcoming from the people, marked by conviction and commitment to achieve universal enrolment.

Over a span of 15 days it has been possible to hold 93 district and 840 block level mass meetings throughout the 83 districts in the State. Reports have been received about the School Chalo Abhiyan, having been conducted in 58,615 gram sabhas and 1090 urban

Persuading mothers

Let education be discussed

settlements with the enthusiastic participation of Pradhans, panchayat members, parents and others from the community. They pledged to ensure cent percent enrolment of the children in their villages/areas.

According to the information received, following are some of the highpoints of

स्कूल चलो अभियान

प्राथमिक शिक्षा हर बच्चे का अधिकार

The long marches for Primary education

the School Chalo Abhiyan - in preparing for it and in conducting it :

Preparing ourselves for the campaign

★ In order to motivate parents to educate their daughters, Meena campaigns were organised in 1,950 gram sabhas of 39 districts.

★ slides on the School Chalo Abhiyan were shown in cinema halls to create public awareness and generate an overall climate for the campaign.

★ 2,308 orientation programmes held for the newly elected Pradhans, members of VECs conducted at the Nyaya panchayat level, on issues in primary education and their role in the development of primary schools.

★ in making the School Chalo Abhiyan a success, support has been received from various quarters. The AIR has regularly relayed radio jingles and Doordarshan has transmitted relevant spots. The buses of the Uttar Pradesh Roadways Corporation carry the logo and messages of primary education to all nooks and corners of the State.

Let the message be mobile

Conducting the campaign

★ Between July 4-9, 2000, Prabhat Pheris were organised with slogans of the School Chalo Abhiyan, from 97,921 primary schools.

★ 93 district level, 940 block level and 1,11,902 village level rallies were organised.

★ Children's enrolment with specific emphasis on girls' education, retention and enrolment drives were conducted with the help of street plays and folk songs, using the services of local cultural troupes.

★ solemn resolve by the Pradhans to work towards total enrolment in their villages.

★ parent teacher meetings organised in 18,910 villages and 9,302 habitations

Kala Jatthas

स्कूल चलो अभियान

प्राथमिक शिक्षा हर बच्चे का अधिकार

किसी भी

में मुख्य रूप से बच्चे 'शिक्षा का फल बनाओ लोकतंत्र', 'घर-घर दीप बच्चे सभी पढ़ाएँ', 'पढ़े-लिखे आनंद ... पशु कहलाये', 'हर बच्चा जब ... तभी बनेगा राष्ट्र अच्छा' आदि नारे ... शहीद पार्क से शुरु हुई ... माया पैलेस चौराहा ...

लिखी सन्तान हमारी

अभियान' जनजागरण

बच्चों ने आकर्षक बैनरों व बैंड-बाजों के साथ भाग

स्वास्थ्य

के लिए चेताया

शिक्षा

जागरण कानपुर, 5 जुलाई

को डी.एम

इसका प्रथम चरण अत्यन्त ... व्यापक जनसम्पर्क करके प्रच... जायेगा, जिसमें प्रभात फेरी, ... सांस्कृतिक कार्यक्रम, शिक्षा ... आयोजित की जायेगी। जनजागरण सभाओं का आयोजन भी किया जाये ... नामांकन का लक्ष्य पूरा किया जायेगा। 11 जुलाई को बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय से टाउन हाल तक मानव श्रृंखला के माध्यम से छात्र नामांकन के लिये संदेश दिया जायेगा।

... लाल गेट पर समापन हुई। संयोजकों ने रैली लेने वाले छात्र-छात्राओं व स्काउट गाइ... धन्यवाद दिया।

घोषित जिला प्राथमिक शिक्षा ... आज 'स्कूल चलो अभियान' ... से शुरुआत की गयी।

'स्कूल चलो अभियान' के तहत

काउंसिल

Steps to

Correspondent

Shravasti

THE BUDDHA Public S... inaugurated eight kilom... Bahraich on the Lucknow ... of the 'School Chalo' cam... by the state gov...

न रहे'

तहत एक विशाल रैली

रैली का शुभारम्भ

शिक्षा अधिकारी राजकुमार

सोरों के बच्चों द्वारा

तख्तियां लिये हुए नारे

जनपद मुजफ्फरनगर

सेना आयी

बच्चों ने जागरूकता

मक शिक्षा चेतना जाग्रत करने में सहायक'

गरूकता पैदा करने तथा

क, बालिकाओं को स्कूल में प्रवेश क

। करने हेतु प्राथमिक

चलो अभियान के तहत

के विद्यालयों का श्रम

श्री त्यागी ने प्राथमिक विद्यालय

विमला द

रणवीरी दे

प्राथमिक

क्षेत्र सदर के

सिंह के नेतृत्व

आयोजन किया

नेहड़ा सादात, ककरौली, खरपेड़, खोकनी,

निवादा में 'स्कूल चलो अभियान'

सादात में प्राथमिक विद्या

तथा जनि

'Chalo' drive a success

to launch th

paign as Sirsia h

centage of literacy a

in the state.

Talking to the pressmen

visit to half-a-dozen scho

block on the Indo-Nepa

minister said, the p

recognition

relaxed

ng body in this direction, he ex-

rted the social activists to come

rward to set up education in-

children.

Prakash

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

समाचार पत्र का नाम

की चाहत पूरी

प्रतिनिधि

नंदगांव (मथुरा),

प्रदेश सरकार के

तहत निकाली गई रै

को साक्षर बनाना

रैली का शु

(ज्ञाता) सुभाष

के कृष्णा जूनियर

विद्यालय, सरस्व

विद्यालय उत्तर

प्राथमिक विद्यालय

र, २३ जुलाई।

औसतन साक्षरता प्रतिशत

पांच हजार बालिकाओं को फिर से स्कूल में दाखिला

शिवसिंह/सहारा समाचार

जहांपुर, 22 जुलाई। वर्ष

383 मान्यता प्राप्त प्राथमिक

प्राथमिक विद्यालय एवं मान्यता

लयो की संख्या 127

तो पता चलता है

है जबकि

12.6

गीत मेरे गांव की आने

का पत्थर चुने।

बालिकाओं को शिक्षा समाज की उन्नति के लिए आवश्यक

स्कूल प्रवेश का लक्ष्य पूरा

बालिकाओं को शिक्षा देने के लिए वचनब

in which the issues of retention was also stressed upon along with children's enrolment to motivate them for both.

★ as a part of the School Chalo Abhiyan alongside the thrust on enrolment, retention has been ensured by awarding green, yellow and red stars to children in accordance with their attendance. To encourage regular attendance of the children, homes of 8,908 children have also been marked - green, yellow, red as per their attendance records. This, it is believed will certainly sensitise the families towards the importance of attending school regularly and make them send their children to school without fail.

Let the message be loud and clear

★ to tackle the problem of children who had dropped out of school, 2,485 summer camps were organised. For summer camps, blocks, Nyaya Panchayats and villages were identified with highest dropout among 9+ girls on the basis of microplanning and EMIS data.

स्कूल चलो अभियान

प्रत्येक शिक्षा हर बच्चे का अधिकार

A brand new day for children

A ten days package was developed to bring back these dropout girls to schools. These summer camps were organised at local level in cooperation with village community, parents & village education committees and consequently 74,550 girls and 12,425 boys have been re-enrolled in schools.

★ In spite of enrolling 54,11,000 children in the age group of 6-14 School Chalo Abhiyan, 1-15 July, 2000. One more push is required to enroll 16,00,000 left out children in the age group of 6-14. With the objective of achieving the target of cent per cent enrolment in the state, a special enrolment drive for new enrollments three more days during 16-18 August, 2000 was launched.

To implement this special School Chalo Drive successfully and effectively the cooperation and participation from the community, teacher, parents, Panchayati Raj Institutions was requested. A letter to newly elected Gram Pradhans was sent by the Hon. Basic Education Minister, Uttar Pradesh.

बालेश्वर त्यागी
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

स्कूल चलो अभियान
(1 से 15 जुलाई 2000)
प्राथमिक शिक्षा हर बच्चे का अधिकार

राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश

दूरभाष - कार्या० 238117
सौ०एच०-3293
आ० : 226828
क्षेत्रीय आवास : 0120- 4712588

बेसिक/प्रौढ़/अनौपचारिक शिक्षा विभाग
मुख्य भवन, कक्ष सं० 93
उत्तर प्रदेश सचिवालय

लखनऊ : दिनांक 10 अगस्त 2000

प्रिय बन्धुवर/बहन जी,

54वें स्वतंत्रता दिवस की आपको हार्दिक बधाई !

आपको जनता ने बड़ी आशा और विश्वास के साथ चुना है। आपके मन में भी अपने गाँव के विकास के सुन्दर सपने होंगे। आप जरूर चाहते होंगे कि आपके गाँव के सारे बालक-बालिकायें शिक्षित बनें, इसीलिए मैं आपको पत्र लिख रहा हूँ।

हमने गत 53 वर्षों में अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन सभी को शिक्षा देने का संकल्प अभी अधूरा है। शिक्षा के बिना सारा विकास अर्थहीन है। प्रदेश में सभी के सहयोग से 6-14 वर्ष के सभी बच्चों का स्कूल में नाम लिखाने के लिए 1 जुलाई से 15 जुलाई तक **'स्कूल-चलो अभियान'** चलाया गया था, जिसमें 54 लाख 11 हजार बच्चों का नाम दर्ज कराने में उल्लेखनीय सफलता मिली है। जबकि गत वर्ष कुल 12 लाख 20 हजार नये बच्चों के नामांकन हो सके थे। इस अभियान में नव-निर्वाचित प्रधानों ने सक्रिय व सकारात्मक भूमिका अदा की है। अनेक प्रधानों ने तो अपने गाँव के स्कूल में सुविधा जुटाने का काम भी प्रारम्भ कर दिया है। यह हम सबके लिए प्रसन्नता की बात है। मेरा तो पहले से मत रहा है कि जिस दिन प्रधान जी के एजेण्डे में पहले नम्बर पर नाली-खड़न्जे के स्थान पर स्कूल आ जाएगा, उस दिन प्राथमिक शिक्षा की दशा सुधर जाएगी। मैं सभी प्रधानों के इस सहयोग से अभिभूत हूँ।

आपने अनुभव किया होगा कि गाँव/मजरों में कुछ बच्चे स्कूल जाने से रह गये है, इनमें खास-तौर से लड़कियाँ और गरीब, मजदूर परिवारों के बच्चे हैं। स्कूली शिक्षा से वंचित इन सभी बच्चों को स्कूल लाने के लिए 16, 17 व 18 अगस्त 2000 में तीन दिन का एक और विशेष **स्कूल-चलो अभियान** चलाया जायेगा। इस तीन दिन के अभियान में आपसे केवल तीन घण्टे माँग रहा हूँ, उन बच्चों को स्कूल लाने के लिए जो अभी तक स्कूल नहीं आ सके है। स्कूल के अध्यापक जी के पास उन बच्चों की सूची है जिनका नाम किसी भी स्कूल में दर्ज नहीं है। आपके प्रति लोगों में दृढ़ विश्वास है। आपके प्रयास व प्रेरणा से अभी तक छूट गये बच्चे स्कूल आ जाएंगे। मेरे इस अनुरोध को स्वीकार करके उन बच्चों के माँ-बाप को प्रेरित कर स्कूल लाने में सहयोग करें। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि शिक्षा विभाग व शिक्षक आपके बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने में कोई कोर-कसर नहीं उठा रखेंगे। सरकार भी आपके सहयोग से आपके स्कूल की सारी व्यवस्थाओं को ठीक करेगी।

प्रदेश से निरक्षरता के कलंक को मिटाने के लिए आपसे केवल तीन दिन अर्थात् 16, 17 व 18 अगस्त 2000 में तीन घण्टे के सहयोग की अपेक्षा के साथ,

आपका

(बालेश्वर त्यागी)

श्री/श्रीमती.....
ग्राम प्रधान/सदस्य
ग्राम पंचायत/क्षेत्र समिति

The resolution of State Government articulated by the Chief Minister on 3rd July, 2000 at K.D. Singh Babu Stadium, Lucknow and the pledge taken by gathering spread this message to every nook and corner of U.P. Newly elected GRAM PRADHANS at the time of taking their oath of office have also resolved for cent per cent enrolment of the children in their villages. Members of different communities, representatives of several political parties demonstrated their resolve for the SCHOOL CHALO CAMPAIGN.

RESOLUTION / PLEDGE

In this purposeful "School Chalo Abhiyan" we solemnly resolve that we would liberate the society from the darkness of non-education. We all would inspire non school going children around our neighborhood for going to the school regularly.

स्कूल चलो अभियान

प्राथमिक शिक्षा हर बच्चे का अधिकार

Snap Shots of field happenings :

1. In Rampur district, Nagar Panchayat Chair person Fatma Begum inaugurated the rally and resolved that each child of the minority community would be enrolled.

2. Village development officer Shaukat Ali under took a journey on foot in several villages to ensure cent per cent enrolment.

3. The workers of political parties in urban and rural areas of district Udham Singh Nagar went from house to house for enrolment of children in schools.

4. In Nyaya Panchayat Saidpur in district Rampur, newly elected and erstwhile pradhans jointly worked for cent per cent enrolment.

5. In Tikra Daudpur gram panchayat of Sandila block in district Hardoi, newly elected women members Sharifa Begum and Mrs. Bhogana resolved for cent per cent enrolment. They promised enrolment of each girl in the muslim community.

6. In Firozabad district, the District Magistrate proposed the newly elected village Pradhans, that their village account would be activated only after they got all

स्कूल चलो अभियान

प्राथमिक शिक्षा हर बच्चे का अधिकार

children in the age group 6-14 years enrolled in school. Many Pradhans accepted this challenge and ensured cent per cent enrolment. In this manner, they not only got their accounts quickly but also got one public hand pump for each village as an incentive.

7. In district village Rora of Lalitpur, the Pradhan Mrs. Krishna Murari worked hard for cent per cent enrolment in the village schools through household contacts.

8. In Basti district, more than two thousand members of the Block Panchayat, District Panchayat and Gram Pradhans swore to make primary education available for each child in their villages while taking their oath of office.

9. The District Magistrates of Lucknow & Ghaziabad while administering the oath of office to the newly Gram Pradhans of the district had them all promise that they would strive for the education of each and every child in their villages.

10. In village Sangramput of Itwa block of district Siddharthnagar, a freedom fighter of 104 years wrote emotional songs in the local language and inspired local groups and women of the village to come forward to a platform and ensure education as a right to all non-school going children in the village.

Age is no bar .....

स्कूल चलो अभियान
प्राथमिक शिक्षा हर बच्चे का अधिकार

11. In a tribal block called RAMIYA BEHAR in Lakhimpur Kehri district the elected Pradhan set up a women's motivator group in the village during the School Chalo Campaign. They inspired all out of school children to join school. They used the Meena Campaign and Mothers-daughter Melas for public contact.

12. The contribution of the headmaster Shri Rajender Singh Yadav of Village Biharipur Muria of district Shahjahanpur to the School Chalo Abhiyan was

स्कूल चलो अभियान

प्राथमिक शिक्षा हर बच्चे का अधिकार

noteworthy & inspiring. Shri Rajendra Singh Yadava not only successfully enrolled all children in the school but he also made available uniforms and text books to the children with the cooperation of village community. He also prepared a group of youths of the village to help with the cooking of the midday meals for the school.